# पेस्ट डेस पेट्टिस रूमीनेंट्स (पीपीआर) नियंत्रण कार्यक्रम

पेस्ट डेस पेट्टिस रूमीनेंट्स (पीपीआर) 'बकरी प्लेग' के रूप में भी जाना जाता है, एक विषाणु जनित रोग है जो बकरियों और भेड़ों पर प्रभाव डालता है जिससे पशुपालकों/किसानों को अत्यधिक वित्तीय हानि और देश को आर्थिक हानि होती है।

**दिखाई देने वाले लक्षण**

पीबयुक्त आंखें और नाक बहना

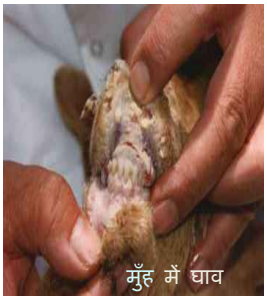
मुँह में घाव

सूजन और कटे हुए होंट

डायरिया

**अन्य लक्षण**

अचानक ज्वर आना, निमोनिया और खांसी। प्रभावित पशु बेचैन, सुस्त, शुष्क थूथन और खिन्न इच्छा के दिखाई देते हैं। गर्भवती पशुओं का गर्भपात हो सकता है।

**संचरण और फैलाव**

- ❖ संक्रमित पशुओं के साथ प्रत्यक्ष सम्पर्क। व्यस्क झुण्ड में रोग का फैलाव अधिक होता है।
- ❖ दूषित जल और चारा नॉद संपर्क के प्रभावित पशुओं के छींकते समय अन्य पशुओं के सांस लेने से ।
- ❖ पशु हाट में अन्य पशुओं के संपर्क में आना, जहां विभिन्न स्रोतों से पशुओं को साथ में लाया जाता है।

**नियंत्रण**

स्वस्थ पशुओं से बीमार पशुओं का अलग करना। उनके स्थान को नियमित रूप से साफ और स्वच्छ रखना। यदि पशुओं को अलग व्यवस्थित स्थान में रखा गया है और यह प्रकोप फैलने के पक्ष में दिखे, तो सावधानी बरतनी चाहिए।

**"एक टीका भेड़ और बकरी को जीवन-पर्यन्त प्रतिरक्षा प्रदान करेगा।"**

पीपीआर-नियंत्रण कार्यक्रम देशभर में भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय प्रायोजित योजना "पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण" के एक घटक के रूप में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में पात्र भेड़ और बकरी जनसंख्या को मुफ्त व्यापक टीकाकरण के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए कृपया अपने नजदीकी पशुचिकित्सा अस्पताल/डिस्पेंसरी से संपर्क करें।

**इस रोग की रोकथाम एवं नुकसान से बचने के लिए पीपीआर के खिलाफ अपनी बकरियों और भेड़ का टीकाकरण अवश्य करवायें।**

## स्वस्थ पशु - समृद्ध राष्ट्र

जनहित में जारी

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली

वेबसाईट: http://www.dahd.nic.in&http://farmer.gov.in/

अधिक जानकारी के लिए फोन करें-टेलीफोन नं.: 1800-180-1551

51969 पर "KISAAN GOV HELP" पर एसएमएस भेंजे (शुल्क लागू)